tu tkrh;{k= e dk;jr v/;kidk dh iHkko'khyrk

Mk- **अवधेश आढ़ा**
lkpk;l & Jherh pUnkoy xlrk dkyt jonj
flj kgh] jktLFkku
Email - avdharha@gmail.com

lf{klr lkj% इस ‘षोध में जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावषीलता पर ‘षोध किया गया जिसमें पष्चिमी राजस्थान के मेवाड और वागड प्रांत के क्रमषः जिले उदयपुर चित्तौड ,डुंगरपुर और बांसवाडा परिसीमन के रूप में लिए गए तथा न्यादर्ष 300 षिक्षकों का रहा । इस ‘षेाध में पाया कि जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावषीलता का स्तर निम्न श्रेणी का हैं। अर्थात् जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापक जिस विषय को पढ़ाते हैं उस पर पूर्ण अधिकार नहीं हैं। छात्रों के साथ शिष्ट व्यवहार नहीं करते हैं। दैनिक पाठ योजना नियमित रूप से तैयार नहीं करते हैं । पाठ के शिक्षण उद्धेश्यो से पूर्णतया परिचित भी नहीं हैं तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास में अभिभावकों का सहयोग प्राप्त नहीं करते हैं। इस क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की अभिव्यक्ति भी प्रभावशाली नहीं हैं।

ely **शब्द**% जनजाति , प्रभावषीलता, कार्यरत, वागड, मेवाड.

okju d vulkj & ^^0;fDrRo 0;fDr dk lEiw.k ekufld lxBu gS] tk mld fodkl dh fdlh Hkh voLFkk e gkrk gSA^^

vkQikVZ d vulkj & ^^0;fDrRo **व्यक्ति के साथ उन मनोशारीरिक संस्थान का गतिशील संगठन हैं, जो** okrkoj.k e mldk vf}rh; lek;ktu fu/kkfjr djrk gSA

इसके अतिरिक्त शिक्षक को कला का ज्ञान ,शिक्षा के उद्देश्यों का ज्ञान] lgk;d lkexh ,o mi;kx dk Kku] rFkk urRo dh ;kX;rk gkuh pkfg**ये। प्रभावशाली शिक्षक ही भावी सुयोग्य नागरिको** dk fuekrk] jk"V dk fuekrk] **तथा शिक्षा पद्धति की आधारशिला हैं।**

प्रभावपूर्ण शिक्षक के लिये विषय वस्तु का पूर्ण ज्ञान आवश्यक हैं। इससे भी अधिक आवश्यक हैं, lh[ku vkj lh[kku dh vfrfjDr bPNk]A viu 0;olk; dk Fkkik gvk vkj vkjkfir 0;olk; ugh le> **कर शिक्षक इसे पूरे मन से स्वीकार करें और अनवरत सीखने की प्रक्रिया में स्वयं को समर्पित कर दे।**
ऑटो एण्ड बोल नाड़ ने विश्लेषणात्मक संबंध पर अपने ‘‘द न्यूज ऑफ द एवेक्टर’’ में शिक्षक के तीन मूल lnx**ण बनाये हैं। जिनके अभाव में कोई भी शिक्षक, पूर्ण शिक्षक नहीं हो सकता। यह** thu x.k ekfyd lnx.k g ie] **धैर्य और विश्वास।**

एक प्रभावशाली अध्यापक हर समाज को गति प्रदान कर सकता हैं। ऐसा शिक्षक ही बालकों की :fp] ;kX;rk] {kerk dk le> ldrk gSA yfdu iR;d v/;kid e iHkko Mkyu dh {kerk vyx&vyx gkrh gSA ftlls v/;kid d dN 'kkjhfjd] Hkkfrd] lkekftd] ufrd ,o lonukRed x.k gh ckydk ij iHkko Mky ldr gSA
माता मांटेसरी ने प्रभावशाली अध्यापकों के पाँच गुण बतलाये हैं –
¼1½ uerk] ¼2½ ckyd d ifr ie] ¼3½ fu"i{k ijh{k.k] ¼4½ vFkkg /k;l rFkk ¼5½ J)k

oh- **एस, थार ने प्रभावशाली अध्यापक के निम्न गुण बताये हैं –**
(1) व्यक्तिगत गुण, (2) कुशल शिक्षण, ¼3½ 0;kolkf;d 0;ogkj] ¼4½ lk/kkj.k KkuA

इसके साथ अध्यापक का प्रभाव छात्रों पर पड़े इसके लिये उसे आत्म विश्वासी, चरित्रवान एवं drO; ijk;.k gkuk pkfg, lkFk gh LoLFk 'kjhj dk gkuk t:jh gSA D;kfd ckyd v/;kid d vkpkj fopkjk ,o 0;ogkjk l iHkkfor gkr gSA mlh viuku dk i;kl djrk gSA vr% v/;kid dk mPp **आदर्श एवं व्यवहारों को अपनाना चाहिए।**

बालक की आरम्भिक पाठशाला परिवार हैं किन्तु परिवार के बाद वह विद्यालय में प्रवेश करता हैं। अर्थात् स्पष्ट रूप में हम कहें तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि बालक के भाग्य का निर्धार.k fo|ky; ij fuHkZj djrk gSA vxj fo|ky; dk okrkoj.k vPNk g\] rks ckyd dk O;fDrRo Hkh vPNk gksxkA v/;kid ;fn viuk O;olk; ls lUrq"V gS rks dk;Z Hkh lUrks"k tud djsxk rFkk mldk iHkko Hkh Nk=ks ij vPNk iMsxkA

v/;kid dk O;fDrRo dk iHkko Nk=ks ij iR;{k :i ls iMrk gSA fuLlng vkt ckyd dk भविष्य अध्यापक के हाथों में हैं। अध्यापक के लिये यह आवश्यक हैं कि वो हृदय, श्रद्धा, भाव एवं पाठ्य पुस्तक, कक्षा सामग्री, को शिक्षा के गुणात्मक पहुलओं को सुधारने के उपयोग में लायें। परन्तु स्वयं v/;kid dk चरित्र एवं व्यक्तित्व प्रभावशिलता के विषय में अत्यधिक चिरस्थायी शक्ति हैं। शिक्षा के द्वारा शिष्य में ऐसी दक्षता का विकास होता जिसके द्वारा वह अपने जीवन को अधिक उन्नत बना सके। यदि अध्यापक प्रभावशील हैं, तो उसका अध्ययन प्रभावशील होगा जिसका प्रभाव छात्रा dh 'kf{kd fu"ifRr ij gksxkA

यदि अध्यापक प्रभावशाली नहीं हैं, तो उसका अध्ययन भी प्रभावशील नहीं होगा। तथा वह छात्रों dh ;kX;rkvks :fp;ks dks le> ikus esa vleFkZ gksxkA vkj u gh mlds v/;;u esa fLFkjrk vFkok प्रभावशीलता आयेगी। छात्रों dh dfe;ks vkSj detksjh dks le>us esa ufrdrk dk fodkl djus ds fy;s प्रभावशील अध्यापक आवश्यक हैं। प्रभावशीलता अध्यापन की आवश्यकता हैं। एवं शैक्षिक कार्यक्रम की विशेषता (श्रेष्ठता) बहुत बड़ी सीमा तक उस कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिये उपलब्ध शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर करती हैं। एक पाठशाला में अति mRre lalk/ku tSls midj.k] Hkou] iqLrdky; rFkk अन्य सुविधाएँ हैं और सामुदायिक आवश्यकताओं के लिये उपयुक्त पाठ्यक्रम हो सकता हैं। लेकिन यदि v/;kid vius i;kZIr vFkok viuk mRrjnkf;Ro dks iwfr mnklhu gS] rks lEiw.kZ dk;ZØe vi;kZIr vFkok निर्थक होने की संभावना हो जाती हैं। वांछित शैक्षिक लक्ष्यों की उपलब्धि के लिये प्रशिक्षित शिक्षको के चयन की समस्या सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। प्रशिक्षित शिक्षको से अभिप्राय ऐसे शिक्षके से हैं। जो मूलभूत कौशलks dks le>s O;olk; ls lEcfU/kr mi;qDr vknrks] rFkk okNuh; vfHkofr;ks dk eY; fu.kZ; rFkk Nk=ks ds O;fDrxr] lek;ktu esa lgk;rk inku djrk gksA

अध्यापक प्रभावशीलता डॉ-iqeksn dqekj vkj MkW Mh- ,u- eFFkk ds }kjk fufeZr ekiuh dk iz;ksx प्रयुक्त उद्देश्यks rFkk शोध उद्देश्यों दोनों के लिये जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशीलता ekiu ds fy;s fd;k x;k gSA

lelL;k dFku & tutkrh; {ks= esa dk;Zjr v/;kपकों की प्रभावशीलता का अध्ययनA mís';&tutkrh; क्षेत्र में कार्यरत अध्यापको की प्रभावशीलता अध्य;u djuk ifjdYiuk,a&

1 जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशीलता औसत होती हैं।

2- मेंवाड़ एवं वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशkhyrk esa dksbZ lkFkZd vUrj ugha gksrk gSA

ifjlheu& fyax & iq:"k
fo|ky;& jktdh; mPp ikFkfed fo|ky;
jkT; & jktLFkku
1 esokM & mn;iqj] fpRrkSM
2-okxM & Mwaxjiqj] ckalokMk
न्यादर्श –

Ø-e-la-	{ks=	Tkutkrh; {ks= esa dk;Zjr v/;kidks dh la[;k
1	esokM	1 mn;iqj 75] fpRrkSM 75
2	okxM	2 Mwaxjiqj 75] ckalokMk 75

fof/k & losZ{k.k fof/k

midj.k – अध्यापक प्रभावशीलता **Teacher Effectivenes Scale (T.E.S.)** MkW- iqeksn dqekj rFkk MkW- Mh- ,u- मुथ्था द्वारा रचित मानकीकृत उपकरण हैं । यह परीक्षण विश्वसनीय एवं वैध्य हैं जिसको जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशीलतk dk ekiu djus ds fy, iz;qDr x;k A

lkaf[;dh & e/;eku] ikeki fopyu] ,oa Vh ijh{k.k A

जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशीलता का **(TES)** l**s** ikIr e/;eku] J.kh rFkk izeki fopyu ¼Nk= 300½

e/;eku	J.kh	izekifopyu
279-82	fuEu	58-17

जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशीलता का मध्यमान **279**-82 rFkk izeki fopyu 58-**17** हैं। जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशीलता का स्तर निम्न श्रेणी का हैं। अर्थात् tutkrh; {k= e dk;Zjr v/;kid ftl fo"k; dk i<krs gS ml ij i.kZ vf/kdkj ugha gSA Nk=ksa d lkFk f'k"V O;ogkj ugha djrs gSA nfud ikB ;kstuk fu;fer :i ls rS;kj ugha djrs gSA ikB d f'k{k.k m)s';ksa ls ifjfpr Hkh ugha gS rFkk Nk=ksa d lokZxh.k fodkl e vfHkHkkodksa dk lg;kx ikIrk ugha djrs gSA bl {k= e dk;Zjr v/;kidksa dh vfHkO;fDr Hkh iHkko'kkyh ugha gSA vk/k ls T;knk v/;kidksa dks f'k{kk eukfoKku dk iw.kZ Kku Hkh ugha gSA v/;kid ikB dh lekfIr ij ikB dh leh{kk Hkh ugha djrs gSA dbZ v/;kid fu;fer ,o le; d ikcUn ugha gSA

eokM+ एवं वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशीलता½

eokM+ ,o okxM+ d tutkrh; {k= e dk;Zjr v/;kidksa dh iHkko"khyrk Kkr djus grq अध्यापक प्रभावशीलता मापनी **Teacher Effectivenes Seale (T.E.S.)** Lk ikIrkdksa dk e/;eku ,o izeki विचलन ज्ञात करने के पश्चात् दोनों समूहो की प्रभावशीलता के मध्य अन्तर की सार्थकता स्तर, ज्ञात करने grq nkuksa d e/;ekuksa dk t मूल्य ज्ञात किया गया जिसे निम्न सारणी में दर्शाया गया हैं।

lkj.kh

eokM+ ,o okxM+ tutkrh; {k=त्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशीलता का **(TES)** l ikIr e/;eku] izeki fopyu] ,o **t** eY;A

Ø-l-	eokM+ **N =** 150		okxM+ **N =** 150		t EkY;	lkFkZdrk 0-05 Lrj ij
	e/;eku	izekifopyu	e/;eku	izekifopyu		
1-	276-62	65-69	283-02	49-30	1-30	vlkFkZd

mDr सारणी के आधार मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों प्रभावशीलता का मध्यमान **276**-**62** हैं जो निम्न प्रभावशीलता को दर्शाता हैं तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की iHkko'khyrk dk e/;eku 283-**02** हैं जो निम्न से औसत प्रभावशीलता स्तर को दशkZrk gSA eokM+ ,o वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशीलता का प्रमाप विचलन क्रमश **65**-69 rFkk 49-30 gSA

प्रस्तुत परिणाम दोनों समूहो की प्रभावशीलता स्तर की भिन्नता को प्रदर्शित करता हैं। मेवाड़ tutkrh; {k=k e dk;Zjr v/;kidksa dh प्रभावशीलता निम्न हैं जबकी वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों की प्रभावशीलता निम्न से औसत स्तर की हैं। यघपि दोनों समूह में ज्यादा अन्तर न होकर थोड़ा gh vUrj gSA eokM+ tutkrh; {k=k d v/;kid viu lkFkh v/;kid dk ekxZ n'ku Hkh djus d fy;s lnSo rS;kj ugha jgrs gS yfdu okxM+ leg d v/;kid viu lkFkh v/;kid dk ekxZ n'ku dHkh dHkh djrs Hkh gSAeokM+ tutkrh; {k= d v/;kidksa e lEiu'khyrk dh deh ikbZ xbZ tcfd okxM+ tutkrh; {k=k d v/;kid dN gn rd lEiu'khyrk ikbZ xbZA lkj.kh d vuqlkj nkuksa legksa d e/;eku dk Vh eY; 0-05 fo'okl Lrj ij ikIr Vh eY; 1-30] 0-5 fo'okl Lrj d eY; 1-97 ls de gSA vr% eokM+ ,o okxM+ tutkrh; {k=k e dk;Zjr v/;kidksa dh iHkko"khyrk Lrj e -05 fo'okl Lrj ij vlkFkZd gSA

fu"d"k%

tutkrh; {k= e dk;Zjr v/;kidksa dh iHkko"khyrk dk Lrj fuEu J.kh dk gSA vFkkZr tutkrh; {k= e dk;Zjr v/;kid ftl fo"k; dk i<krs gS ml ij i.kZ vf/kdkj ugha gSA Nk=ksa d lkFk f'k"V O;ogkj ugha djrs gSA nfud ikB ;kstuk fu;fer :i ls rS;kj ugha djrs gSA ikB d f'k{k.k m)s';ksa ls ifjfpr Hkh ugha gS rFkk Nk=ksa d lokZxh.k fodkl e vfHkHkkodksa dk lg;kx ikIrk ugha djrs gSA bl {k= e dk;Zjr v/;kidksa dh vfHkO;fDr Hkh iHkko'kkyh ugha gSA

lUnHkZ %

iqLrdsa **(Books)**

1. Bar Scates & Goods (1941) - **Methodalogy of Education Research New York Apptication Conturary Gobts.**

2. Best, J.W. (1963) - **"Research in Education New York Prenticetfall, PP. 108**

3. Best J.W. 1969 - **Elements of Educational Research New York Prentice Hall, ZNC**

4- HkVukxj vkj- ih & HkVukxj] feuk{kh 2004 f'k{kk vuqla/kku bUVjus'ky ifCyf'kax gkml] esjB

5- HkVV Mk- jkds'k & 1994 tutkfr; mn~ferk dk fodkl fgeka'kq ifCyds'kUl] mn;iqj

6- <kf<;ky ,oa QkVd &2001 'kSf{kd vuqla/kku dk fo|k'kkL= jktLFkku fgUnh xzUFk vdkneh] t;iqj

7- fpRrkSMk 'kf'k 1995 & vkfnoklh fd'kksj fo|kFkhZ fgeka'kq ifCyds'kUl] mn;iqj

8- कोल लौकेश **1998** & **'शैक्षिक अनुसंधान की कार्य प्रणाली विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा-** fy- ubZ fnYyh

9- iqpkyh ufyuh ¼1995½ & iqLrdky; ,oa vkfnoklh f'ko ifCyd'kZ fMLVhC;qVlZ] mn;iqj

10- dksy ykds'k 1998 & 'kSf{kd vuqla/kku dh dk;Z iz.kkyh fodkl ifCyf'kax gkml izk- fy-] ubZ fnYyh

11- ekFkqj ,l- ,l- ¼1981½ & f'k{kk eukfoKku] foukn iqLrd efnj vkxjk

12- eaxyk ,l dS & 1985 **शिक्षा मनोविज्ञान दिल्ली रामपाल प्रकाश**